तीतुस कै नाम प्रेरित पौलुस की चिट्ठी

1 1पौलुस की ओड़ तै जिस ताहीं पणमेसर के छाँटे होए
लोग्गां ताहीं उनकै बिश्वास म्ह सहायता देण कै खात्तर
अर म्हारे धर्म की सच्चाई ज्ञान की रहनुमाई कै खात्तर भेज्या
ग्या सै; 2ओ मैं न्यू ज्यांतै करण लागरया सूं के पणमेसर छाँटे
होया ताहीं अनन्त जीवन की आस बँधै। पणमेसर नै, जो
कद्दे भी झूठ नीं बोल्दा, पह्ल्ड़े बख्त तै अनन्त जीवन का
बचन दिया सै। 3उचित बख्त पै पणमेसर नै अपणे सुसमाचार
ताहीं उपदेशां कै जरिये प्रगट करया। ओए सुथरा संदेसा म्हारे
उद्धारकर्ता पणमेसर की आज्ञा तै मेरै ताहीं सौंप्या गया सै।

4म्हारे समान बिश्वास म्ह मेरे साच्चे बेट्टे तीतुस ताहीं:

म्हारे परम पिता पणमेसर अर उद्धारकर्ता मसीह यीशु की
ओड़ तै अनुग्रह अर शान्ति मिलै।

क्रेते म्ह तीतुस का काम

5मन्नै तैरे ताहीं क्रेते म्ह इस करकै छोड्या था के ओड़ै जो
कीमे अधुरा रह गया सै, तू उस ताहीं ठीक-ठाक कर दे अर
मेरै आदेश कै मुताबिक हरेक नगर म्ह बुजुर्गां ताहीं ठहरावै।
6उस ताहीं नियुक्त जद्दे करया जावै जिब ओ बेकसूर हो।
एक बिरबान्नी का धणी हो। उसके बाळक बिश्वासी हों
अर अनुशासनहीनता का दोष उन पै ना लगाया जा सकै।
तथा वे निरकुश भी ना हों। 7निरीक्षक ताहीं बेकसूर तथा
किसे भी बुराई तै अछूता होणा चहिये। क्यूँके जिस ताहीं
पणमेसर का काम सौंप्या गया सै, उस ताहीं अड़ियल,
चिड़चिड़ा अर दारुबाज नीं होणा चहिये। उस ताहीं
झगड़ालू, नीच कमाई का लोभी नीं होणा चहिये 8बल्के
उस ताहीं मेहमानां का आद्दर-सत्कार करण आळा, विवेक
आळा, धर्मी, भगत तथा अपणे पै काब्बू राक्खण आळा
होणा चहिये। 9उस ताहीं उस बिश्वास करण जोग्गा संदेस
नै मजबूती तै धारण करे रहणा चहिए जिसकी उस ताहीं
शिक्षा दी गयी सै, ताके ओ लोग्गां ताहीं सही शिक्षा दे कै
उन ताहीं प्रबोधित कर सकै। तथा जो इसकै बिरोधी हों,
उनका खण्डन कर सकै।

10यो ज्यांतै जरूरी सै क्यूँके भोत से लोग बिद्रोही होकै
खामखाँ की बात बणान्दे होए दुसरयां ताहीं भटकावै सैं।
मैं खास करकै यहूदी पृष्ठभूमि के लोग्गां का उल्लेख करण
लागरया सूं। 11उनका तो मुँह बन्द करया ए जाणा चहिए।
क्यूँके वे जो बात नीं सिखाण की सैं, उन ताहीं सिखान्दे होए
घर के घर बिगाड़ण लागरे सैं। भुन्डे रास्तयां तै धन कमाण
कै खात्तर ए वे इसा करै सैं। 12एक क्रेते के बासिन्दै नै अपणे
लोग्गां कै बारै म्ह खुद कह्या सै, "क्रेते के बासिन्दे सदा झूठ
बोल्लै सैं, वे जंगळी पशु सैं, वे आलसी सैं, पेट्टू सैं।" 13यो
कथन सत्य सै, इस करकै उन ताहीं ठाडतै डाँटो-फटकारो
ताके उनका बिश्वास पक्का हो सकै। 14यहुदियाँ के पुराणे
वाक्याँ पै अर उन लोग्गां के आदेशां पै, जो सत्य तै भटक गे
सैं, कोए ध्यान मतना द्यो।

15पवित्र लोग्गां कै खात्तर सब कीमे पवित्र सै, किन्तु
अशुद्ध अर जिन म्ह बिश्वास नीं सै, उनकै खात्तर कुछ भी
पवित्र नीं सै। 16वे पणमेसर नै जानण का दावा करै सैं। किन्तु
उनके काम दिखावै सैं के वे उस ताहीं जाणदे ए नीं। वे घृणित
अर आज्ञा का उल्लंघन करण आळे सैं। तथा किसे भी
आच्छे काम ताहीं करण म्ह वे असमर्थ सैं।

साच्ची शिक्षा का अनुसरण

2 1किन्तु थम सदा इसी बात बोल्या करो जो सही शिक्षा
कै मुताबिक हो। 2बुजुर्ग माणसां नै शिक्षा द्यो के वे
शालीन अर अपणे पै काब्बू राक्खण आळे बणैं। वे गम्भीर,
विवेकी, प्रेम अर बिश्वास म्ह मजबूत अर धीरज आळे
सहनशील हों।

3इस्से ढाळ बुजुर्ग लुगाईया नै सिखाओ कै वे पवित्र
माणसां कै जोग्गा उत्तम बिवार आळी बणैं। निन्दक नीं बणैं
तथा भोत घणी दारू पीण की लत उन्नै ना हो। वे आच्छी-
आच्छी बात सिखाण आळी बणैं 4ताकि जवान लुगाईया
नै अपणे-अपणे बाळक अर धणी तै प्यार करण की सीख
दे सकैं। 5जिस तै वे संयमी, पवित्र, अपणे-अपणे घरां की
देखभाल करण आळी, दयालु अपणे धणीयां की आज्ञा
मानण आळी बणैं जिसतै पणमेसर के बचन की निन्दा ना हो।

6इस्से तरियां गाबरूयां नै सिखान्दे रहो के वे संयमी बणैं।
7थम अपणे आप नै हर बात म्ह आदर्श बणा कै दिखाओ।
तेरा उपदेश शुद्ध अर गम्भीर होणा चाहिए। 8इसी बढ़िया
बाणी का इस्तेमाल करो, जिसकी बुराई नीं करी जा सकैं ताके
तेरे बिरोधी शरमिंदा हों क्यूँके उनकै धोरै तैरे बिरोध म्ह भूंडा
कहण नै कीमे कोनी होवैगा।

9दासां नै सिखाओ के वे हर बात म्ह अपणे मालिका की
आज्ञा का पालन करैं। उन्नै खुश करदे रहवैं। उलट की बात
ना बोल्लै। 10चोरी चालाकी ना करै। बल्के पुरे विश्वसनीयता
नै दिखावै। ताके म्हारे उद्धारकर्ता पणमेसर के उपदेश की हर
तरियां तै शोभा बढ़ै।

11क्यूँके पणमेसर का अनुग्रह सब माणसां के उद्धार के
खातर प्रकट होया सै। 12इस तै हमनै सीख मिळै सै के हम
पणमेसर विहीनता नै नकारा अर सांसारिक इच्छा नै ना मांदे
होए ईसा जीवन जीवैं जो विवेकपूर्ण नेक, भक्ति तै भरपूर अर
पवित्र हो। आज के इस संसार म्ह 13आशा के उस धन्य दिन
की बाट देखो जिब म्हारे परम पणमेसर अर उद्धारकर्ता यीशु
मसीह की महिमा प्रकट होगी। 14उसनै म्हारै खातर अपणे
आप ताहीं दे दिया। ताके ओ सारे ढाळ की दुष्टतायां तै हमनै
बचा सकै अर अपणे छाँटे होए माणसां कै रूप म्ह अपणे
खात्तर म्हारै ताहीं शुद्ध कर ले — हमनै, जो उत्तम काम करण
नै लालायित सैं।

15इन बात्तां ताहीं पूरे हक कै गेल्या कह अर समझान्दा
रह, उत्साहित करदा रह अर विरोधियां नै झिड़कदा रह। ताके
कोए तेरी अणसुणी ना कर सकै।

जीवन की उत्तम रीति

3 1माणसा नै याद दुआन्दा रह कै वे राजाओं अर
अधिकारियों कै अधीन रहवैं। उनकी आज्ञा का पालन
करैं। हर डाळ के उत्तम काम्मां नै करण कै खातर त्यार रहवै।
2किसे की निन्दा ना करैं। शांति-प्रिय अर सज्जन बणैं। सब
माणसां कै गेल्या अच्छा बिवार करैं।

3यो मैं इस करकै बताण लागरया सूं क्यूँके एक बख्त
था, जिब हम भी बेअक्ले थे। आज्ञा का उल्लंघन करां थे।
भ्रम म्ह पड़े थे। तथा वासनायां एवं हरेक ढाळ के सुख-भोग
के दास बणरे थे। हम दुष्टता अर ईर्ष्या म्ह आपणा जीवन
जीवां थे। म्हारै तै लोग नफरत करैं थे तथा हम भी आप्पस
म्ह एक दूसरे तै नफरत करया करैं थे। 4किन्तु जिब म्हारे
उद्धारकर्ता पणमेसर की मानवता कै बाबत करुणा अर प्रेम
प्रगट होवै 5उसनै म्हारा उद्धार करया। यो म्हारे बेकसूर
ठहराये जाण कै खात्तर म्हारे किसे धर्म के काम्मां कै कारण
नीं होया बल्के उसकी करुणा कै जरिये होया। उसनै म्हारी
रुखाळ उस नहाण कै जरिये करी जिसम्ह हम दुबारा पैदा
होवां सां अर पवित्र आत्मा कै जरिये नये बणाये जावां
सां। 6उसनै म्हारै पै पवित्र आत्मा ताहीं म्हारे उद्धारकर्ता
यीशु मसीह कै जरिये भरपूर उँडेला सै। 7इब पणमेसर नै
म्हारै ताहीं आपणी अनुग्रह कै जरिये बेकसूर ठहराया सै
ताके जिसकी हम आस करण लागरे थे अनन्त जीवन के
वारिसपणे नै पा सकां।

8यो कथन बिश्वास करण कै जोग्गा सै अर मैं चाहूँ सूं के
थम इन बात्तां पै डटे रहो ताके वे जो पणमेसर म्ह बिश्वास करै
सैं, आच्छे काम्मां म्ह ए लाग्गे रहें। ये बात लोग्गां कै खात्तर
उत्तम अर हितकारी सैं।

9वंशावली सम्बन्धी विवादां, व्यवस्था सम्बन्धी झगड़यां
झमेल्यां अर बेअक्ली तै भरे मतभेदां तै बच्या रह क्यूँके उनतै
कोए फैयदा नीं, वे बेकार सैं। 10जो माणस फूट गेरदा हो,
उसतै एक या दो बै चेतावनी देकै न्यारा हो जा। 11क्यूँके थम
जाणो सो के इसा माणस राह तै भटक गया सै अर पाप करण
लागरया सै। उसनै तो खुद अपणे ताहीं कसूरवार ठहराया सै।

याद राक्खण की कीमे बात

12मैं थारै धोरै जिब अरतिमास या तुखिकुस नै भेज्जूं तो मेरै
धोरै निकुपुलिस आण का भरपूर जतन करणा क्यूँके मन्नै
उड़ैए जाड्डा बिताण का इरादा कर राख्या सै। 13वकील जेनास
अर अप्पुलोस ताहीं उनकी यात्रा कै खात्तर जो कीमे जरूरी
हो, उसकै खात्तर थम भरपूर सहायता जुटा देणा ताके उन
ताहीं किसे बात की कोए कमी ना रहवै। 14म्हारे लोग्गां ताहीं
भी सतकर्मां म्ह लाग्गे रहणा सीखना चहिये। उनम्ह तै भी
जिन ताहीं भोत घणा जरूरी हो, उस ताहीं पूरी करणा ताके
वे विफल ना हों।

15जो मेरै गेल्या सैं, उन सारया का थमनै नमस्कार। म्हारे
बिश्वास कै कारण जो लोग म्हारै तै प्रेम करै सैं, उन ताहीं भी
नमस्कार।

पणमेसर का अनुग्रह थम सारया कै गेल्या रहवैं।